B A Part II (GS/Hons)

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Raj Nagar

Lecture III

सामाजिक समस्याएं (परिभाषाएं) =>

डब्ल्यू वेलेस वीवर के अनुसार, "सामाजिक समस्या एक ऐसी दशा है जो चिन्ता, तनाव, संघर्ष या नैराश्य उत्पन्न करती है एवं आवश्यकता पूर्ति में बाधा डालती है।"

ए. डब्ल्यू. ग्रीन के अनुसार, "सामाजिक समस्या ऐसी दशाओं का समग्र है जिन्हें नैतिक आधार पर समाज में अधिकांश व्यक्तियों द्वारा अनुचित समझा जा सकता है।"

मेरिल तथा एल्डरीज के अनुसार, "सामाजिक समस्याएं तब उत्पन्न होती हैं जब अति हीनता के कारण अधिक संख्या में व्यक्ति अपनी अपेक्षित भूमिकाओं में कार्य करने में असमर्थ होते हैं।"

2020-8-6 13:29

इलियट मेरिल के अनुसार, " वे कार्य और प्रतिमानित व्यवहार जिन्हें समाज का एक बड़ा भाग समाज के प्रति घातक मानता है और जिन्हें सुधारना सम्भव और वांछनीय माना जाता है, सामाजिक समस्याएँ माना जाता है।"

पी.एच. लैण्डिस के अनुसार, " सामाजिक समस्याएँ व्यक्तियों की कल्याण सम्बन्धी अपूर्ण आकांक्षाएँ है।"

मार्टेन न्यूमेयर ने तीन बातों के आधार पर सामाजिक समस्या को स्पष्ट किया है –

(i) उस स्थिति का होना, जो सामाजिक और व्यक्तिगत विघटन करती है।

(ii) उस स्थिति का होना जिसे समाज की जनसंख्या का अधिकांश भाग सामाजिक मूल्यों के लिए हानिकारक मानता है।

(iii) इस प्रकार की भावना का होना जिससे कि ऐसी स्थिति उपयुक्त सामाजिक कार्यवाही की माँग करती है।

स्पष्ट है कि सामाजिक समस्या वह दशा है जो किसी समाज में स्वीकृत व्यवहार प्रतिमानों और सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की अवमानना के कारण उत्पन्न होती है।

2020-8-6 13:29